vinetur

लगभग 350 साल बाद Mannheim में Eichbaum Brewery ने बीयर उत्पादन समाप्त किया

दिवालिया जर्मन ब्रुअरी 31 दिसंबर तक परिचालन बंद कर देगी, जिससे 181 कर्मचारियों पर असर पड़ेगा, हालांकि इसके ब्रांड के बने रहने की उम्मीद है।

शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026



Mannheim की दिवालिया ब्रुअरी Brauerei Eichbaum ने लगभग 350 साल बाद अपनी आख़िरी बीयर बनाई है, और जर्मनी के लंबे समय से स्थापित क्षेत्रीय बीयर नामों में से एक के उत्पादन अध्याय का अंत हो गया है। कंपनी ने कहा कि

उत्पादन 30 सितंबर को समाप्त हो गया और व्यावसायिक परिचालन गतिविधियाँ 31 दिसंबर तक, उससे देर से नहीं, बंद कर दी जाएंगी।

यह बंदी 181 नौकरियों को प्रभावित करेगी। कंपनी ने कहा कि प्रबंधन और वर्क्स काउंसिल ने हितों के सामंजस्य और कर्मचारियों के लिए एक सामाजिक योजना पर सहमति बना ली है। Eichbaum के अनुसार, कंपनी की स्थापना 1679 में हुई थी।

Mannheim में ब्रूइंग बंद होने के बावजूद Eichbaum ब्रांड के जारी रहने की उम्मीद है। कंपनी की पहले की जानकारी के मुताबिक, Pirmasens स्थित ब्रुअरी Park & Bellheimer पारंपरिक Mannheim ब्रुअर के ब्रांड को अपने हाथ में लेने वाली है। Eichbaum ने कहा कि उसकी बीयरें रेस्तरां और बार में, पेय थोक विक्रेताओं के जरिए और खाद्य खुदरा दुकानों में उपलब्ध बनी रहेंगी। ब्रांड कारोबार को Mannheim स्थित बिक्री कंपनी Eichbaum-Vertriebs GmbH में केंद्रित किया जाना है।

ब्रुअरी ने अक्टूबर 2025 के अंत में स्व-प्रशासन के तहत दिवाला कार्यवाही के लिए आवेदन किया था। कंपनी के अनुसार, निर्यात बिक्री में गिरावट आई थी और घरेलू मांग भी कमजोर हुई थी, जिससे तरलता की कमी पैदा हो गई। इन दबावों के कारण व्यवसाय के लिए ब्रुअरी में ही उत्पादन जारी रखना संभव नहीं रहा।

यह मामला जर्मनी के बीयर उद्योग में बढ़ते दबाव के संकेतों को और बढ़ाता है, जहां बढ़ती लागत, कमजोर खपत और बदलते वितरण चैनलों ने लंबे इतिहास वाली क्षेत्रीय ब्रुअरियों पर दबाव डाला है। Eichbaum ब्रांड का प्रस्तावित हस्तांतरण इस बात का संकेत है कि कंपनी का नाम बना रह सकता है, भले ही उसके Mannheim स्थल पर ब्रूइंग समाप्त हो जाए। यह ऐसा मॉडल बनता जा रहा है, क्योंकि संकटग्रस्त बीयर उत्पादक तब लेबल और बिक्री नेटवर्क में मूल्य बचाए रखने की कोशिश करते हैं जब संयंत्र संचालन अब व्यवहार्य नहीं रह जाते।

यह बंदी Mannheim से बाहर भी महत्व रख सकती है, क्योंकि Eichbaum की आतिथ्य क्षेत्र, पेय थोक व्यापार और किराना खुदरा में स्थापित मौजूदगी है। अगर ब्रांड नए स्वामित्व में और उत्पादन कहीं और जारी रहता है, तो यह उन बारों, रेस्तरांओं और वितरकों की आपूर्ति व्यवस्थाओं को बदल सकता है जो फिलहाल Eichbaum उत्पाद रखते हैं। इससे क्षेत्रीय बीयर बिक्री में प्रतिस्पर्धी स्थिति भी बदल सकती है, खासकर दक्षिण-पश्चिमी जर्मनी में, जहां स्थापित स्थानीय ब्रांड अक्सर सरायों, आयोजन स्थलों और पेय व्यापारियों के घने संबंधों पर निर्भर रहते हैं।

Eichbaum अकेली पारंपरिक ब्रुअरी नहीं है जो अब उत्पादन के अंत का सामना कर रही है। Braunschweig की Wolters ने इस हफ्ते की शुरुआत में कहा था कि वह साल के अंत तक ही बीयर बनाएगी, जबकि वहां भी ब्रांड को बचाए रखने के प्रयास जारी हैं। ये दोनों मामले ऐसे बाजार में एक व्यापक प्रवृत्ति की ओर इशारा करते हैं, जिसे छोटे और मध्यम आकार की ब्रुअरियों के लिए संभालना अधिक कठिन हो गया है, खासकर उन कंपनियों के लिए जिनके बड़े, पुराने संयंत्र स्थल हैं और जो घरेलू बीयर खपत पर काफी निर्भर हैं।

Federal Statistical Office द्वारा फरवरी में जारी आंकड़ों के मुताबिक, जर्मनी का बीयर बाजार पिछले वर्ष एकीकरण के बाद से किसी भी समय की तुलना में अधिक गिरा। इस गिरावट ने उन ब्रुअरियों पर दबाव बढ़ा दिया है जो पहले से ही कमजोर निर्यात मांग और देश में बदलते उपभोक्ता व्यवहार से जूझ रही थीं। कई संचालकों के लिए अब ब्रांड मूल्य और बाज़ार तक पहुंच संबंधी समझौते, ऐतिहासिक स्थलों पर पूर्ण ब्रूइंग संचालन बनाए रखने की आर्थिक व्यवहार्यता की तुलना में अधिक टिकाऊ दिखाई देते हैं।

Mannheim में इसका मतलब है कि Eichbaum अब एक बदले हुए रूप में रह गया है। ब्रूइंग केटल बंद हो चुके हैं, उत्पादन स्थल को चरणबद्ध तरीके से बंद किया जा रहा है, और कर्मचारियों को अब उस बंदी के प्रभावों का सामना करना पड़ रहा है जो कंपनी के गृह-आधार पर लगभग साढ़े तीन सदियों की ब्रूइंग विरासत का अंत करती है। साथ ही, Eichbaum बीयर को शेल्फ़ों और टैपों पर बनाए रखने का प्रयास यह दिखाता है कि आज के जर्मन बीयर कारोबार में एक पारंपरिक लेबल

व्यावसायिक रूप से प्रासंगिक बना रह सकता है, भले ही उसे बनाने वाली ब्रुअरी खामोश हो गई हो।